different case. ...*(Interruptions)*... No, please sit down. Hindi Please sit down.

श्री संजय निरूपम: चेयरमैन साहब,सवाल तो उठता है । जब हमारे भाई मारे जाएंगे,जब हमारे सहयोगी मारे जाएंगे तो हमें दुख होगा,हमारा मन तड़पेगा,हम अपनी बात रखेंगे,हम अपनी बात रखने के लिए यहां पर खड़े हुए हैं । ....(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Please sit down. You have made your point. .... *(interruptions)*....

श्री संजय निरूपम: चेयरमैन साहब,सवाल तो उठता है । जब हमारे भाई मारे जाएंगे,जब हमारे सहयोगी मारे जाएंगे तो हमें दुख होगा,हमारा मन तड़पेगा,हम अपनी बात रखेंगे,हम अपनी बात रखने के लिए यहां पर खड़े हुए हैं । ....(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: No; no. You have made your point. Now we will take up the next Special Mention.

श्री संजय निरूपम: मैं सिर्फ आपसे एक मिनट के लिए निवेदन करना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आपने अपनी बात रख दी हैं,सबने सुना हैं ।

श्री संजय निरूपम: मैं निवेदन करना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)....

MR. CHAIRMAN: No; no. Now we will take up the next Special Mention. Mr. Gaya Singh.

MR.CHAIRMAN: Nothing will go on record. Shri S.S. Ahluwalia. «ft

श्री संजय निरूपम:*

श्री संजय निरूपम:*

Daylight Murder of a Member of Bihar Legislative Assembly by Coal Maria

श्री एस.एस.अहलुवालिया(बिहार)**:** सभापति जी,पिछले हफ्ते मैं जिस राज्य से आता हूं-बिहार-वहां के मार्क्सिस्ट कोऑर्डीनेशन कमेटी के,विधान सभा के सदस्य गुरूदास चटर्जी की नृशंस हत्या हो गयी । यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण हादसा है कि गुरूदास

*Expunged as ordered by the Chair

चटर्जी जैसे नौजवान,जो वहां के गरीबों के उत्थान के लिए और मजदूरों के हक के लिए लड़ाई करते थे और कोयला खदान के इलाके में चिरकुंडा-निरसा इलाके में प्रयत्नरत थे-उनकी यह कोशिशें,ईमानदारी की यह लड़ाई शायद कोयला माफिया को मंजूर नहीं थीं। कोयला खदान की माफियागिरी में जो लोग जुड़े हुए हैं और जिस तरह से वहां धांधली चल रही हैं,उन लोगों को शायद यह बर्दाश्त नहीं हो रहा था। जब वह पिछले हफ्ते अपना दिन भर का काम करके दोपहर बाद गोविन्दपुर से देवली गांव मोटर साइकिल पर जा रहे थे तो कुछ लोगों ने बगल में आकर प्वाइंट ब्लैंक रेंज पर उनको शूट किया जहां घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गयी। जिस बिहार को स्वर्ण युग का बिहार कहा जाता था,जिस बिहार की वैशाली पहली रिपब्लिक की जन्मदाता है,जिस बिहार को बहुत सारी अच्छाइयों के नाम से जाना जाता था,उस बिहार में ऐसी घटना घटी। उसके साथ-साथ हर दल ने इस जघन्य हत्या की भर्त्सना की हैं। हर दल ने इसका पुरज़ोर विरोध किया है और सी.बी.आई.द्वारा जांच कराने की मांग की हैं। महोदय,मैं भी आपके माध्यम से इसकी सी.बी.आई.द्वारा जांच कराए जाने की मांग करता हूं पर दुर्भाग्य इस बात का है कि जिस सदन ने,जिस विधान सभा ने मुझे चुनकर यहां भेजा हैं,जिस काउंसिल ऑफ स्टेट्स को मैं रिप्रेज़ेंट करता हूं,कल उस सदन के अंदर जब इस हत्या पर शोक प्रस्ताव हो रहा था और सदन के विपक्ष के नेता शोक प्रस्ताव पर अपना प्रस्ताव रख रहे थे तो जिस तरह से सत्ता पक्ष के लोगों ने रिपोर्टरों की कुर्सियां उठा-उठा कर विपक्ष के नेता को मारने की कोशिश की ....(**व्यवधान**)....

श्री रामदेव भंडारी(बिहार)**:** महोदय,ये गलत बोल रहे हैं। विपक्ष के नेता ने उकसाया है। शोक प्रस्ताव पर बोलते हुए विपक्ष के नेता ने ऐसी बातें कहीं मुख्य मंत्री के संबंध में...उन्हें उकसाया गया। आप बैठिए। ....(**व्यवधान**) ...

श्री एस.एस.अहलुवालिया: महोदय,उस सदन को उन्होंने बताया ....(**व्यवधान**) ...ये विपक्ष की आवाज़ का विरोध करना चाहते हैं,ये विपक्ष की आवाज़ को बंद करना चाहते हैं। ....(**व्यवधान**) ...

श्री रामदेव भंडारी: हम आवाज बंद नहीं करना चाहते हैं,विपक्ष के नेता ने उकसाया हैं।....(**व्यवधान**) ...

श्री एस.एस.अहलुवालिया: सड़क पर जो आवाज़ दे रहे हैं विपक्ष के लोग,वह आवाज़ विरोधित की जा रही हैं और सदन के अंदर भी हुल्लड़बाज़ी शुरू हो गई हैं। कुर्सिया उठा-उठा कर विपक्ष के सदस्यों पर मारी गई है। कल जब विपक्ष के नेता उस शोक प्रस्ताव पर बोल रहे थे,तो उस प्रस्ताव पर बोलते हुए वे इस दुर्घटना की भर्त्सना

कर रहे हैं । उन्होंने किसी पर कोई व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाया । किसी व्यक्तिगत आरोप के माध्यम से किसी पर आक्षेप नहीं लगाया । उसके बावजूद जिस तरह से कुर्सियां उठा कर मारी गई,यह भारत के संवैधानिक इतिहास में,राजनीतिक इतिहास में एक काला धब्बा हैं । मैं कह चुका हूं कि हमारा इतिहास जो स्वर्णिम युग के इतिहास के रूप में जाना जाता है,उस इतिहास पर एक कालिख लगाई गई हैं । किस तरह से विपक्ष की आवाज़ को रौंधने की कोशिश की गई हैं, इसकी मैं इस सदन में भर्त्सना करता हूं । ....(**व्यवधान**) ...

श्री रामदेव भंडारी: महोदय,शोक प्रस्ताव पर बोलते हुए विपक्ष के नेता ने ऐसी बातें कही हैं,जिससे उनको उकसाया गया । सर,विपक्ष चाहता हैं कि उस राज्य में अराजकता की स्थिति बन जाए । जब जनता ने इनको नकार दिया हैं,जब हाऊस में इन्होंने अपना बहुमत साबित नहीं किया है उसके बाद ये गलत तरीके अख्तियार कर रहे हैं । ये सरकार को अल्पमत की स्थिति में लाना चाहते हैं और अहलुवालिया जी गलत बोल रहे हैं । ....(**व्यवधान**) ...

श्री एस.एस.अहुवालिया: ये मेरा अधिकार है क्योंकि मैं उसी विधान सभा से चुनकर आता हूं । मैं उसी विधान सभा के कार्यकलाप पर अपनी बात यहां कह सकता हूं,अपनी आवाज़ को उठा सकता हूं । महोदय,मेरी आपके माध्यम से गुज़ारिश है कि विधान सभा की इस कार्यवाही को मद्देनज़र रखते हुए संविधान के माध्यम से उचित कार्यवाही होनी चाहिए । यह बड़े दुर्भाग्य की बात हैं । ....(**व्यवधान**) ...

श्री रामदेव भंडारी: महोदय,जिनके बारे में ये बोल रहे हैं,उनको बोलने की तमीज़ नहीं हैं । वे हमेशा मुख्यमंत्री के खिलाफ गलत शब्दों का प्रयोग करते हैं । पहले उनको तमीज़ सिखाइए कि बोला कैसे जाता हैं? पहले उन्हें तमीज़ सिखाइए । ....(**व्यवधान**) ...

श्री एस.एस.अहलुवालिया: महोदय,जिस तरह से विपक्ष के कंठ को रोध करने की कोशिश बिहार में हो रही हैं,इसकी हम निंदा करते हैं,इसकी भर्त्सना करते हैं,इसका कंडम्नेशन होना चाहिए और एक स्वर से कंडम्नेशन होना चाहिए । धन्यवाद ।

श्री रामदेव भंडारी : पहले अपने नेताओं को बोलने की तमीज़ सिखाइए कि मुख्य मंत्री के बारे में कैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता हैं । ....(**व्यवधान**) ...

श्रीमती सरोज दुबे (बिहार): महोदय,इस हत्या में हमने देखा हैं ....(**व्यवधान**) ...

MR. CHAIRMAN: Mr. Bratin Sengupta ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI SAROJ DUBEY *

SHRI BRATIN SENGUPTA (West Bengal): Sir, prior to the physical annihilation of the Marxist Co-ordination Committee's three-time MLA of Bihar Assembly, Mr. Gurudas Chatterjee, on 14th April, on his way from Dhanbad to Nirsa, by Mr. Shiv Shankar, son of the coal mafia leader, Mr. Cham Master, and many others ..... *(Interruptions)...* Let me be allowed to speak. ...*(Interruptions)...* Please, let me finish. *(Interruptions)...* Please, let me finish.

Sir, prior to this incident, there had been an all-out attempt by the coal mafia, including Mr. Charu Master, to get Mr. Gurudas Chatterjee, a very popular MLA, a three-time MLA of Bihar Assembly, electorally defeated. He was so popular and his credibility was so high among the people of his constituency, and he was so dedicated to the cause of the labourers and in his fight against the coal mafia and vested interests, that nobody could defeat him. He could get elected continuously on three occasions. This incident happened on 14th April. But still, Mr. Shiv Shankar, the son of the coal mafia leader, Mr. Charu Master, who is alleged to have killed him, is not arrested. The SP himself has given a statement that Mr. Shiv Shankar is the murderer. He has not yet been arrested. There is, of course, a manhunt for Mr. Shiv Shankar. Why is there no high-level inquiry? Why is Mr. Shiv Shankar not yet arrested? Why have the father of Mr.Shiv Shankar, the coal mafia leader, Mr. Charu Master, and all others not been arrested? This is my query. Why is a high-level inquiry not instituted? This is not the only murder. The coal *mafias* have been ruling the roost in this particular belt, from Dhanbad to Nirsa. Illegal mining is going on. Million of rupees change hand every day. There is a nexus amongst local politicians, *mafias,* illegal miners, over there, the main sufferers of which are the poor workers. While fighting against all this, Shri Gurudas Chatterjee had to lay down his life. There is not a single party which has not condemned the severe and ghastly murder of Shri Gurudas Chatterjee. Sir, what J demand is, why no action has been taken yet? Why the manhunt for Mr. Shiv Shankar, his father Charu Master, and other coal mafias, has not yet been completed? This incident took place on 14th of April, and today is 25th of April. Eleven days have passed since this incident took place. Eleven days are quite sufficient to take action. I want to know why it was not taken? I seek your protection and

* Not recorded.

urge upon you to direct the appropriate authorities to immediately take necessary measures and exemplary action in this regard. Thank you, Sir.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD (Bihar): Mr. Chairman, Sir, 1 am extremely grateful to you for giving me an opportunity to associate myself with the Special Mention of Mr. S. S. Ahluwalia. I only wish to refer to a newsitem which appeared three days ago - to be precise, on the 19th of April, in Asian Age - that as many as 300 political killings have taken place in Bihar during the last six years. A matter of serious concern is that such killing cut across party lines and includes workers of RJD, BJP, Samata, etc. Mr. Chatterjee was definitely a very powerful leader. He had organised the toiling masses and his killing is a matter of serious concern. Sir, with great respect. I wish to say that this killing ought not to be seen in isolation. I am sorry that a very *bona fide* submission made by Mr. Ahluwalia was taken otherwise. But the kind of violence, the kind of hatred, being generated in the entire State, as also in the House, is a matter of serious concern, so far as democratic traditions are concerned. ...*(Interruptions)*..

श्री रामदेव भंडारी: सब आपकी पार्टी को सपोर्ट कर रहे हैं । ....(**व्यवधान**) ...सब आपकी पार्टी ....(**व्यवधान**) ...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD .: I am not naming anyone, Sir. ...*(interruptions)*.. It is such a matter that we must rise above party lines. ...*(Interruptions)*.. What I am saying is, it is a matter of serious concern. ...*(Interruptions)* मुझे जरा बोलने दीजिए । ....(**व्यवधान**) ...प्लीज बोलने दीजिए । ....(**व्यवधान**) ...

श्री मती सरोज दुबे: सर, ...(**व्यवधान**) ...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: *I* am only trying to emphasise that if the spirit of intolerance coupled with the whole scenario continues, then this kind of killings will go on. This is a matter of great concern. If the Leader of the Opposition was so severely wounded inside the House that he became unconscious, it is a matter of serious concern. I am not talking on party lines at all. ...*(Interruptions)*..

श्री रामदेव भंडारी: रणवीर सेना ....(**व्यवधान**) ...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: I say that I am condemning all

such killings. ...*(Interruptions)*.. My RJD friends must know that even their man has been killed. Therefore, I am only saying, if 300 political killings have taken place during the last six years - the last one is of Shri Gurudas Chatterjee— it is a matter of serious concern. They must also rise above party lines to insist that this should not go on, coupled with the kind of atmosphere, the spirit of violence and the spirit of intolerance which is prevailing in the State. It is a matter of serious concern.

श्री नागेन्द्र नाथ ओझा(बिहार)**:** सभापति महोदय,चटर्जी जी की जो हत्या हुई हैं, मैं इस घटना की निन्दा करता हूं । माननीय अहलुवालिया जी ने ठीक ही सवाल उठाया हैं,लेकिन असेम्बली में जो मार-पीट हुई या झगड़ा हुआ ये उसमें चले गए और इनके लिए हत्या का मामला प्रमुख नहीं रहा । महोदय,यह स्टेट के लॉ एंड आर्डर का ही मामला नहीं है,असल में जो बिहार में कोलफील्ड इंडस्ट्रीयल क्षेत्र है उसको माफिया ऑपरेट करते हैं और शासन भी ये माफिया ही चला रहे हैं । प्रतिदिन करोड़ रूपए का कोयला माफिया द्वारा स्मग्ल किया जाता हैं । उनकी कमाई का यह एक बड़ा धन्धा हैं और इसके जरिए वे बिहार की असेम्बली में पहुंच रहे हैं । मामला यह है कि कोयला क्षेत्र भारत सरकार के अंडर में हैं और इससे भारत सरकार को भारी नुकसान हो रहा हैं । वहां से कोयला माफिया का उन्मूलन होना चाहिए इसीलिए मैं केन्द्रीय सरकार के ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं । एक दूसरा मुद्दा और हैं,क्योंकि यहां पर कुछ कंफ्यूजन फैलाने का काम किया गया हैं कि 300 हत्याएं हुई हैं ,इनमें किनकी हत्याएं ज्यादा हुई हैं? आर.जे.डी.के विधायक और उनके कार्यकता ब्लाक केवल से स्टेट लेवल तक दर्जनों की संख्या में मारे गए हैं तथा सी.पी.एम.और सी.पी.आई.के विधायक भी मारे गए हैं । अहलुवालिया जी जहां से आते हैं,वहां पर उस समय के सी.पी.आई.के विधायक सीताराम मिश्रा मारे गए थे । आप बताएंगे कि उनकी हत्या किसने की ? एक प्रोटेक्शन,पोलिटिकल प्रोटेक्शन क्रिमिनल्स को मिल रहा हैं । यह पोलिटिकल प्रोटेक्शन बी.जे.पी.दे रही हैं,कांग्रेस वाले दे रहे हैं । हां विभिन्न पोलिटिकल पार्टीस से क्रिमिनल्स को प्रोटेक्शन मिल रहा हैं । यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बन गया हैं,पूरे राज्य का मुद्दा बन गया हैं ....(**व्यवधान**) इसलिए इसे डाइवर्ट न किया जाए,इसे एक सही स्पिरिट में लिया जाए और कोल बेल्ट में जो माफिया पनप रहे हें उनका सफाया किया जाए । अंत में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात कहना चाहूंगा जो बिहार की असेम्बली में हुई हैं । पिछले दिनों जो सरकार बनाने की बात हुई उसमें बी.जे.पी.और एन.डी.ए.के लोगों ने भी माफिया से संपर्क किया सरकार बनाने में मदद लेने के लिए,इससे ऐसी हत्याएं ज्यादा हो रही हैं । इसलिए केंद्र ....(**व्यवधान**) सरकार के ध्यान में लाने की बात हैं । क्या आप अहलुवालिया जी बता सकते हैं कि जेल

में बंद माफिया के नाम से जाने वाले अपराधी से मदद मांगने के लिए कौन-कौन गए थे ? अहलुवालिया जी चिल्ला रहे हैं और हाउस में गलत ढंग से सवाल पेश कर रहे हैं । इसे सही परिस्थितियों में देखना चाहिए । यह सबकी समस्या है । सब मिलकर इस समस्या को देखें ताकि उसका निदान हो सके । बिहार सचमुच फंसा हुआ है लेकिन आप किसी एक पोलिटिकल पार्टी और सरकार पर दोषारोपण नहीं कर सकते । धन्यवाद ।

श्री रामदेव भंडारी: सभाति महोदय,बिहार के विधायक श्री चटर्जी साहब की जो नृशंस हत्या हुई वह बहुत दुखद है और सभी पार्टियों को इस घटना की निन्दा करनी चाहिए । मैं भी इस घटा की निन्दा करता हूं । बिहार सरकार ने बहुत तेजी से इस पर कार्रवाई की है और गिरफ्तारियां भी हुई हैं । मगर इस घटना के माध्यम से बिहार सरकार को बदनाम करना या बिहार में जो कानून और व्यवस्था की स्थिति है उसकी ओर इशारा करना निश्चित रूप से इसका राजनीतिकरण करना हैं ....(**व्यवधान**) सरकार इस जिम्मेदारी को ....(**व्यवधान**) ...

श्री राजीव रंजन सिंह(बिहार): थोड़ा धीरज रखिए ....(**व्यवधान**)

श्री रामदेव भंडारी: सभापति महोदय,मैं कहना चाहता हूं कि बिहार में जो सरकार है वह गरीबों की सरकार है और ये जो लोग हैं ये गरीरबों के खिलाफ हैं । ये रणवीर सेना को मदद करने वाले लोग हैं,गरीबों की हत्या करने वाले लोग हैं इसलिए बिहार सरकार इस मामले में बहुत कड़ाई से कार्रवाई कर रही हैं । जो भी कोल माफिया है जिन्होंने चटर्जी की हत्या की है उसमें बिहार सरकार किसी को बख्शने वाली नहीं है चाहे इसमें किसी का भी आदमी हो,कितना भी बड़ा आदमी हो । धन्यवाद ।

Engagement-of child labour in trains

DR. M.N. DAS (Orissa): Mr. Chairman, Sir, I am thankful to you for permitting me to raise a very important issue. The issue that I am raising does not deal with either killing or murder, but an inhuman practice which is continuing in our railway system. I must first congratulate the hon. Railway